Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

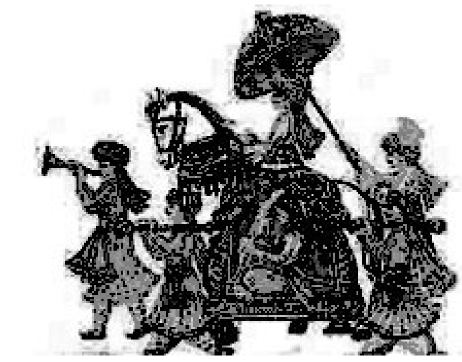

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

साध्वी पद्मावती को गर्भवती बताए जाने पर भड़का मातृ सदन

■स्वामी शिवानंद बोले सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे

संवाददाता

हरिद्वार। गंगा रक्षा के लिए आमरण अनशन कर रहीं साध्वी पद्मावती को जबरन उठाकर दून अस्पताल ले जाए जाने, उन्हें गर्भवती बताए जाने और शुक्रवार को ही डिस्चार्ज कर देने के मामले में मातृ सदन के संतों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती ने कहा कि पद्मावती साध्वी हैं और गंगा की रक्षा के लिए तप कर रही हैं। वैसे तो इस तरह की बात किसी युवती के लिए नहीं की जानी चाहिए, लेकिन साध्वी के बारे में की गई टिप्पणी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसे लेकर वे स्थानीय कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे। अगर इंसाफ नहीं मिला तो अंतर्राष्ट्रीय कोर्ट तक भी गुहार लगाएंगे। उन्होंने देहरादून की सीएमओ मीनाक्षी जोशी तथा डॉ. विजय भंडारी के नाम पर सौ करोड़ की मानहानि का नोटिस भेजने की भी बात कही। कहा कि फिलहाल, सीएमओ से पद्मावती को उठाए जाने बाद से लेकर डिस्चार्ज किए जाने तक का वीडियोग्राफ मांगा गया है, ताकि सारी बातें पता चल सकें। स्वामी शिवानंद ने कहा कि अगर इस मामले में अधिकारी क्षमता भी मांग लें तो काम नहीं चलेगा। उन्हें यह बताना पड़ेगा कि किसके निर्देश पर उन्होंने यह पूरा षडयंत्र रचा। उन्होंने अफसरों के साथ ही राज्य, केंद्र के नेताओं तक पर साजिश का आरोप जड़ा। आरोप लगाया कि केंद्रीय जल संसाधन मंत्री के पीआरओ के पिछले दिनों हरिद्वार दौरा करने के बाद से ही मातृ सदन के खिलाफ साजिश शुरू हुई है।

स्वामी शिवानंद के अनुसार पहले वह कुछ अधिकारियों के खिलाफ ही हाईकोर्ट में केस दर्ज करने वाले थे, लेकिन अब उन सभी लोगों के खिलाफ केस कराएंगे, जो पद्मावती को आश्रम से उठाने के बाद उनके चरित्र पर उंगली उठाने की साजिश में शामिल रहे हैं। स्वामी शिवानंद सरस्वती ने साफ कहा कि मातृ सदन के अनशनकारी हरिद्वार की सीएमओ के अधीनस्थ किसी भी डॉक्टर से अपना मेडिकल टेस्ट नहीं कराएंगे।

बोल्डर गिरने से बरीनाथ हाईवे घंटों रहा बाधित

संवाददाता गोपेश्वर। नंदप्रयाग के पास पहाड़ी से बोल्डर गिरने से बरीनाथ हाईवे करीब 13 घंटे तक बंद रहा। मलबा गिरने से एक कार भी दब गई, जिससे वाहन चालक घायल हो गया, जबकि अन्य तीन लोग सुरक्षित हैं। शुक्रवार रात बंद हुए हाईवे को शनिवार सुबह करीब दस बजे खोला जा सका। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की कतार लगी रही। नंदप्रयाग के पास इस समय ऑल वेदर रोड का काम चल रहा है, जिस कारण यहां अक्सर हाईवे बंद हो जाता है। शुक्रवार रात करीब सवा नौ बजे नंदप्रयाग के शिव मंदिर के पास पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर सड़क पर आ गिरे जिससे हाईवे बंद हो गया। इसी दौरान वहां से ऋषिकेश निवासी अश्विनी (35) पुत्र राजपाल कार से तीन पर्यटकों को लेकर औली जा रहा था और उनकी कार मलबे की चपेट में आ गई। हादसे में अश्वनी बुरी तरह जख्मी हो गया जबकि कार में सवार अन्य तीनों यात्री सुरक्षित बच गए।

आपकी कार्यशैली से कलैक्ट्रेट की छवि बनती बिगड़ती है

कार्यभार ग्रहण

आशीष कुमार श्रीवास्तव ने दून के 62वें जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

संवाददाता

देहरादून। देहरादून जनपद के 62वें जिलाधिकारी के रूप में नवआंगतुक जिलाधिकारी आशीष कुमार श्रीवास्तव द्वारा शनिवार दोपहर में कलैक्ट्रेट के कोषागार में डबल लॉक का कार्यभार ग्रहण किया, तत्पश्चात कलैक्ट्रेट सभागार में चतुर्थ श्रेणी कार्मिक तथा उसके पश्चात कलैक्ट्रेट परिसर के समस्त कार्मिकों से मुखातिब हुए। कलैक्ट्रेट परिसर के चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि सबसे पहले कलैक्ट्रेट परिसर की छोटी टीम से मिलने, का मुख्य उद्देश्य यह है कि आप इस परिसर के सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं और आपकी कार्यशैली से कलैक्ट्रेट की छवि बनती बिगड़ती है।

उन्होंने सभी को अपने–अपने दायित्वों का ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, लगन और प्रभावी तरीके से कार्य करने की प्रेरणा दी। साथ ही कहा

जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण करते आशीष कुमार श्रीवास्तव।

कि यदि किसी कार्मिक की निजी या पारिवारिक कोई समस्या हो तो वे उनसे साझा कर सकते हैं।

इसके पश्चात राजस्व विभाग के सभी अधिकारियों और कार्मिकों से मुखातिब होते हुए जिलाधिकारी ने अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए सभी को जनपद देहरादून को आदर्श जनपद तथा देहरादून कलैक्ट्रेट को आदर्श कलैक्ट्रेट बनाने का संदेश दिया। उन्होंने बेहतर पब्लिक ग्रीवान्स व्यवस्था के लिए कलैक्ट्रेट को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने, पब्लिक की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित निस्तारण करने, बिन्दाल–रिस्पना नदी के पुनर्जीवन व रिवर डेवलपमेन्ट योजना के साथ ही स्मार्ट सिटी के कामों को बेहतर तरीके से सम्पादित करने और राज्य में संचालित विभिन्न केन्द्रीय व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर इम्पिलिमेन्टेशन पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सबको एक टीम भावना से कार्य करना है। सभी कार्यो को समयबद्धता से पूरा करने का विशेष ध्यान रखें। जनहित की समस्याओं में अनावश्यक औपचारिकताओं से देरी ना करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी को अपनी कार्यशैली और आचरण को बेहतर बनाते हुए कार्यालय में खुशनुमा माहौल बनाने का संदेश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि हमें लोगों की समस्याओं के समाधान में केवल शहर और आसपास के क्षेत्रों तक ही सीमित न रहकर वरन इन्टिरियल क्षेत्र में रहने वाले लोगों पर भी विशेष फोकस करना होगा ताकि जनपद के सीमांत क्षेत्रों में निवास कर रही आबाधी को भी बेहतर जीवन यापन एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो। उन्होंने सभी कार्मिकों का परिचय लेते हुए सभी से आदर्श जनपद बनाने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की।

स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

देहरादून। थाना नेहरू कालोनी पुलिस ने 8 ग्राम स्मैक सहित एक अभियुक्त को बंगाली कोठी से चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। अभियुक्त की पहचान शुभम उम्र 20 पुत्र लक्ष्मण सैनी निवासी नई बस्ती मोथरोवाला देहरादून के रूप में हुई। अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस के तहत चालान कर जेल भेज दिया।

कार्यालय पेयजल निगम हरिद्वार

गणतंत्र दिवस 2020 के शुभ अवसर पर जनपद हरिद्वार एवं सभी प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

मौ0 मिसम
अधिशासी अभियंता, पेयजल निगम, हरिद्वार।

एच0ई0सी0 कालेज, हरिद्वार

गणतंत्र दिवस 2020 के शुभ अवसर पर जनपद हरिद्वार एवं सभी प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

संदीप चौधरी
चैयरमैन,
एच0ई0सी0 कालेज, हरिद्वार

मत्स्य विभाग–हरिद्वार

जलाशयों का विकास योजनान्तर्गत मत्स्य संरक्षण, संवर्धन एवं जनचेतना कार्यक्रम घर एवं कारखानों से निकलने वाले विषैले प्रदूषित अवशिष्ट एवं कचरे को बिना ट्रीटमेन्ट के जल धाराओं/ तालाबों में प्रवाहित न करें।

जनपद के समस्त मत्स्य पालक अपने तालाबों हेतु मत्स्य बीज एवं मत्स्य आहार की मांग अपने विकासखण्ड में मत्स्य प्रभारियों के माध्यम से अथवा विकास भवन स्थित मत्स्य विभाग के जनपदीय कार्यालय में ससमय उपलब्ध करा दें।

अनिल कुमार
सहायक निदेशक मत्स्य
हरिद्वार।

कार्यालय जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, हरिद्वार।

पृथ्वी के अन्दर चट्टानों के खिसकने, टूटने एवं फैलने से पृथ्वी की सतह अचानक और तीव्रता से हिलने लगती है। धरती फटने, दरारों पर भूखण्ड के ऊपर–नीचे उठने अथवा दायें–बायें सरकने को भूसंचलन या भूकम्प कहते है।

भूकम्प से पहले क्या करें?

- स्थानीय प्रशासन से मालूम करें की क्या आपका निवास स्थान भूकम्प वाले क्षेत्र में है।
- स्थानीय अधिकारियों की सहायता एवं उपलब्ध साधनों से अपने घरों का मजबूती करण करें।

भूकम्प के समय क्या करें?

- यदि आप घर के अन्दर है तो शांत रहे। हड़बड़ी घातक हो सकती है।
- कांच की खिड़कियों, उपर से गिरने वाले भारी समान से दूर हटें।

भूकम्प के बाद क्या करें?

- अपनी चोट की जांच करें।
- क्षतिग्रस्त अवसरंचनों के समीप भीड़ न लगायें।
- पानी बरबाद न करें।

श्रीमती मीरा केन्तुरा
जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी
हरिद्वार।

यूकेडी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों के समर्थन में सीएम को भेजा ज्ञापन

मांग

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को शीघ्र माना जाए

देहरादून। **संवाददाता**

उत्तराखंड क्रान्ति दल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों के समर्थन में धरना दिया। दल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा। यूकेडी का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को शीघ्र माना जाए।

सरकार ने दो माह के आंदोलन के बाद भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को नहीं माना, उलट सरकार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सेवा समाप्त की धमकी दे रही है। कुछ कार्यकत्रियों को कार्यवाही नोटिस भेजे गए हैं जिसका दल घोर विरोध करता है।

यूकेडी का कहना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपने हक के लिए लड़ने का लोकतांत्रिक अधिकार है, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से अपने हक की मांग की जा रही है। कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को उनके काम के अनुरूप न्यूनतम मानदेय प्रतिदिन 600 रुपये के हिसाब से मासिक रु0 18000 दिया जाय। आंगनबाड़ी सहायिकाओं को कार्यकत्रियों के मानदेय का 75 प्रतिशत दिया जाय। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की विभागीय पदोन्नति किया जाय, तथा आयु सीमा हटाते हुए, कार्यकत्री पद रिक्त होने पर उसी केंद्र की सहायिका को वरीयता दिया जाय। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वरिष्ठता के अनुरूप प्रतिवर्ष मानदेय दिया जाय।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दीपावली बोनस दिया जाय तथा जब भी परियोजनाओं में किसी कार्य के लिए बुलाये जाने पर यात्रा भत्ता दिया जाय। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवम सहायिकाओं पर की गयी कार्यवाही निरस्त किया जाय।